मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–24

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.-24 : मध्यकालीन कविता-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) सर्व लोक व्यवहार स्थितिर्नोत्या बिना न हि।

यथा शनैर्विना देहस्थितिन स्याहि देहिनाम्॥

(ख) बिन पूछे ही कहत है सज्जन हित के बैन।

भले बुरे कौं कहत है, ज्यों तमचर गत रैन॥

(ग) रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।

जहाँ काम आवै सुई, कहा करे तलवारि॥

(घ) प्रेम प्रीति के बिरवा चलेहु लगाय।

सींचन की सुधि लीजो मुरझि न जाय॥

2. रहीम की भाषागत विशेषताएँ बताइए। 10

3. मतिराम के प्रकृति-वर्णन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

4. देव के परवर्ती कवियों पर इनका प्रभाव स्पष्ट कीजिए। 10

5. नायक-नायिका भेद का विश्लेषण कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) रीतिकाल पर आधुनिक दृष्टि

(ख) नीतिकाव्य और रहीम

(ग) केशवदास का आचार्यत्व

(घ) देव की कविता में दर्शन

× × × × ×